भारत - संयुक्त अरब अमीरात संबंध

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यू ए ई) की मित्रता बहुत गहरी है जो दोनों देशों की हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक संबंधों पर आधारित है। 1966 में आबूधाबी के शासक के रूप में महामहिम शेख जाएद बिन सुल्तान अल नहयान की ताजपोशी के बाद तथा इसके बाद 1971 में यू ए ई परिसंघ के सृजन से संबंध मजबूत हुए। हाल ही के वर्षों में, इन संबंधों में और व्यापकता आई है और नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष और सुरक्षा सहयोग सहित ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापार एवं निवेश के अलावा, अनेक क्षेत्रों में हमारा आदान-प्रदान होता है।

राजनीतिक संबंध

2. दोनों देशों की ओर से समय-समय पर उच्च स्तरीय यात्राओं एवं दौरों से भारत - यू ए ई द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा मिला है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री की 16 और 17 अगस्त 2015 को संयुक्त अरब अमीरात की ऐतिहासिक यात्रा एक नई और व्यापक सामरिक साझेदारी की शुरुआत है। यात्रा के बाद जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य में दोनों नेता न केवल विद्यमान क्षेत्रों में उपलब्धियों को सुदृढ़ करने के लिए अपितु सहयोग के नए क्षेत्रों का पता लगाने के लिए भी साथ मिलकर काम करने पर सहमत हुए।

3. प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य की प्रमुख प्रतिबद्धताएं इस प्रकार हैं **:**

i) दोनों पक्ष गुटों एवं देशों द्वारा कट्टरता तथा धर्म के दुरुपयोग की खिलाफत के लिए प्रयासों में समन्वय स्थापित करेंगे। दोनों पक्ष सभी धर्मों में अंतर्निहित शांति, सहिष्णुता, समावेशीपन और कल्याण के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए धार्मिक विद्वानों एवं बुद्धिजीवियों के नियमित आदान प्रदान को सुगम बनाएंगे तथा सेमिनारों एवं सम्मेलनों का आयोजन करेंगे।

ii) दोनों पक्ष सभी रूपों एवं अभिव्यक्तियों के आतंकवाद की निंदा करेंगे और विरोध करेंगे। आतंकवाद की खिलाफत, आसूचना की हिस्सेदारी और क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाएंगे।

iii) साइबर सुरक्षा में सहयोग को बढ़ावा देंगे।

iv) राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों तथा राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों के बीच वार्ता स्थापित करेंगे।

v) समुद्री सुरक्षा में सहयोग करेंगे तथा रक्षा संबंधों को सुदृढ़ करेंगे।

vi) एक सामरिक सुरक्षा वार्ता स्थापित करेंगे।

vii) अगले पांच वर्षों में व्यापार में 60 प्रतिशत की वृद्धि के लक्ष्य के साथ दोनों देशों के बीच व्यापार को और बढ़ाएंगे।

viii) दोनों देश भारत - यू ए ई अवसंरचना निवेश निधि स्थापित करने पर सहमत हुए हैं जिसका उद्देश्य विशेष रूप से रेलवे, बंदरगाह, सड़क, एयरपोर्ट तथा औद्योगिक कोरिडोर एवं पार्क में अगली पीढ़ी की अवसंरचना के तेजी से विस्तार से के लिए भारत में निवेश की मदद करने के लिए 75 बिलियन अमरीकी डालर के लक्ष्य पर पहुंचना है।

ix) सामरिक पेट्रोलियम भंडारों, अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम पेट्रोलियम क्षेत्रों में भारत में यू ए ई की भागीदारी तथा तीसरे देशों में साझेदारी के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में सामरिक साझेदारी को बढ़ावा देंगे।

x) अंतरिक्ष में सहयोग को प्रोत्साहित करेंगे जिसमें उपग्रहों, भूमि आधारित अवसंरचना तथा स्पेस अप्लीकेशन का संयुक्त विकास एवं लांच शामिल है। माननीय प्रधानमंत्री ने अल ऐन में पश्चिम एशिया का पहला अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने संबंधी यू ए ई की योजना तथा 2021 में मंगल मिशन शुरू करने की योजनाओं का स्वागत किया।

xi) परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण प्रयोगों में साझेदारी करेंगे जिसमें सुरक्षा, स्वास्थ्य, कृषि तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग शामिल है।

xii) भारत में रक्षा उपकरणों के विनिर्माण में सहयोग करेंगे।

4. प्रधानमंत्री की यात्रा के एक पखवाड़े के अंदर संयुक्त समिति की 11वीं बैठक के लिए संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री की यात्रा (2 और 3 सितंबर 2015); तीसरी एच एल टी एफ आई (निवेश पर उच्च स्तरीय कार्यबल) के लिए 12 और 13 अक्टूबर को माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की यू ए ई यात्रा; और द्विपक्षीय बैठकों के लिए तथा भारत - यू ए ई आर्थिक मंच के लिए 15 से 17 नवंबर 2015 के दौरान भारत के माननीय वित्त मंत्री की यू ए ई यात्रा से हमारी द्विपक्षीय साझेदारी की गति और बढ़ी है तथा सहयोग कार्यक्रम को लागू करने के लिए एक विस्तृत रोड मैप तैयार करने में मदद मिली है।

5. अब तक जो महत्वपूर्ण यात्राएं हुई हैं उनकी सूची नीचे दी गई है :

<u>राष्ट्रपति स्तर पर दौरा :</u>

- भारत के राष्ट्रपति ने नवंबर 1976, अक्टूबर 2003, और नवंबर 2010 में संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।

- संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख जाएद बिन सुल्तान अल नहयान ने 1975 और 1992 में भारत का दौरा किया।

<u>प्रधानमंत्री स्तर पर यात्राएं :</u>

- भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 16 और 17 अगस्त 2015 को संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।
- भारत की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने मई 1981 में संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।
- संयुक्त अरब अमीरात के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन रसीद अल मकतौम ने मार्च 2007 में और मार्च 2010 में भारत का दौरा किया।
- संयुक्त अरब अमीरात के उप प्रधानमंत्री शेख सैफ बिन जाएद अल नहयान ने नवंबर 2011 में भारत का दौरा किया।

विदेश मंत्रियों की यात्राएं :

- संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला ने संयुक्त आयोग की 11वीं बैठक के लिए 2 और 3 सितंबर 2015 को भारत का दौरा किया। इससे पहले उन्होंने जून 2007, जून 2011, मई 2012 और दिसंबर 2013 में भारत का दौरा किया था।
- विदेश एवं प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने 10 से 13 नवंबर 2014 तक संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।
- विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने 13 मार्च 2013 को संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था तथा अपनी ट्रांजिट यात्रा पर 5 फरवरी 2014 को संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री से टेलीफोन पर बातचीत की थी। विदेश राज्य मंत्री ई अहमद ने 30 अप्रैल से 3 मई 2014 तक संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था।

मंत्री स्तर पर अन्य महत्वपूर्ण यात्राएं :

भारत की ओर से भारत यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं *:*

- वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 15 से 17 नवंबर 2015 के दौरान संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।
- वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमन ने निवेश पर उच्च स्तरीय कार्यबल की तीसरी बैठक के लिए 12 और 13 अक्टूबर 2015 को संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।
- वित्त राज्य मंत्री श्री जयंत सिन्हा ने अप्रैल 2015 में संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।
- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने आई आर ई एन ए सामान्य सभा की बैठकों के लिए 2011, 2012 और 2014 में संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।
- प्रवासी भारतीय मामले मंत्री ने नवंबर 2012 और अप्रैल 2013 में संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।
- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के नेतृत्व में 18 फरवरी 2013 को आबूधाबी में निवेश पर पहले उच्च स्तरीय कार्य बल के भारतीय शिष्टमंडल ने संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया।
- वित्त मंत्री ने दुबई में बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा के उद्घाटन के लिए 23 मार्च 2013 को संयुक्त अरब अमीरात का एक दिवसीय दौरा किया। उन्होंने पुन: 26 मई 2013 को संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया जिसके दौरान उन्होंने अन्यों के अलावा संयुक्त अरब अमीरात के वित्त मंत्री एवं उप सुप्रीम कमांडर के साथ बैठक की।
- व्यवसाय उत्कृष्टता पर दुबई वैश्विक सम्मेलन में भाग लेने के लिए नागर विमानन मंत्री ने 28 अप्रैल से 2 मई 2013 तक दुबई का दौरा किया।

संयुक्त अरब अमीरात की ओर से भारत की यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं *:*

- जनवरी 2014 में बंगलुरू में आयोजित साझेदारी शिखर बैठक 2014 के लिए आर्थिक मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के शिष्टमंडल का नेतृत्व किया।
- ऊर्जा मंत्री ने जनवरी 2014 में नोएडा (एन सी आर) में आयोजित पेट्रोटेक 2014 में भाग लिया।

- संयुक्त अरब अमीरात के विदेश व्यापार मंत्री ने 2009 में और फिर जनवरी 2012 में सी आई आई साझेदारी शिखर बैठक में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।
- ए डी आई ए - जो विश्व में सबसे बड़ा संप्रभु संपदा कोष है - के प्रबंध निदेशक ने निवेश को बढ़ावा देने के लिए 16 से 20 जनवरी 2012 तक भारत का दौरा किया।
- वित्त राज्य मंत्री ने 3 अप्रैल 2012 को भारत का दौरा किया। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री के साथ वित्त राज्य मंत्री ने 12 दिसंबर 2013 को दिल्ली का दौरा किया।

6. भारत और यू ए ई ने क्षेत्र विशिष्ट मुद्दों का समाधान करने के लिए संस्थागत तंत्र स्थापित किया है। यह तंत्र, संयुक्त आर्थिक और तकनीकी सहयोग आयोग (जे सी एम); विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओसी); निवेश संबंधी उच्च स्तरीय कार्य बल (एच एल टी एफ आई); सुरक्षा मामलों पर संयुक्त समिति (जे सी एस एम); कांसुलर मामलों पर संयुक्त समिति (जे सी सी एम); संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (जे डी सी सी); नवीकरणीय ऊर्जा पर संयुक्त कार्यकारी समूह (जे डब्ल्यू जी); और जनशक्ति संसाधनों पर संयुक्त समिति (जे सी एम आर) के रूप में है। जे सी एम, एफ ओ सी और एच एल टी एफ आई की बैठकों का आयोजन मंत्रालयी / सहायक मंत्रालयी स्तरों पर होता है। जे सी एस एम, जे सी सी एम, जे डी सी सी और जे एस एम आर का आयोजन वरिष्ठ अधिकारियों (सचिव / अपर सचिव) के स्तर पर होता है। उपर्युक्त के अलावा, भारतीय समुदाय की शिकायतों का समाधान करने के लिए एक स्थानीय समन्वय तथा शिकायत समाधान तंत्र भी स्थानीय समन्वय समिति (एल सी सी) के रूप में स्थापित है। एल सी सी में दूतावास के अधिकारी और उनके यू ए ई समकक्ष अधिकारी होते हैं जो मासिक आधार पर कांसुलर, जनशक्ति और सामुदायिक मुददों पर अनुवर्ती कार्रवाई के संबंध में बैठकें करते हैं।

<u>वाणिज्यिक संबंध</u> :

7. समग्र द्विपक्षीय संबंध के एक प्रमुख पहलु में संयुक्त अरब अमीरात के साथ आर्थिक एवं वाणिज्यिक सहयोग। पारंपरिक रूप से घनिष्ठ और मित्रतापूर्ण भारत - यू ए ई द्विपक्षीय संबंध आर्थिक एवं वाणिज्यिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भागीदारी में परिवर्तित हो गए हैं। भारतीय संयुक्त अरब अमीरात के अंदर महत्वपूर्ण निवेशक के रूप में उभरे हैं तथा भारत संयुक्त अरब अमीरात को विनिर्मित माल के लिए एक महत्वपूर्ण निर्यात गंतव्य के रूप में उभरा है। भारत - यू ए ई व्यापार, 1970 के दशक में प्रतिवर्ष 180 मिलियन अमेरीकी डॉलर था और आज लगभग 60 बिलियन अमेरीकी डॉलर है। इस प्रकार, चीन और अमेरिका के बाद, यू ए ई भारत का वर्ष 2014 – 15 में तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। इसके अतिरिक्त, यू ए ई भारत का दूसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है और वर्ष 2014 – 15 में 33 बिलियन अमेरीकी डॉलर से अधिक का निर्यात हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात के लिए भारत 28 बिलियन अमरीकी डालर (गैर तेल व्यापार) की राशि के साथ वर्ष 2014 में सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है। भारत द्वारा संयुक्त अरब अमीरात को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पाद; बहुमूल्य धातुएं, पत्थर, रत्न एवं आभूषण; खनिज; खाद्य पदार्थ (अनाज, चीनी, फल एवं सब्जियां, चाय, मांस एवं सीफूड); टेक्सटाइल (गारमेंट, अपैरल, सिंथेटिक फाइबर, काटन, यार्न); टेस्टाइल, इंजीनियरिंग तथा मशीनरी उत्पाद एवं रसायन शामिल हैं। संयुक्त अरब अमीरात से भारत द्वारा जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से पेट्रोलियम एवं पेट्रोलियम उत्पाद, बहुमूल्य धातुएं, पत्थर, रत्न एवं आभूषण, खनिज, रसायन, लकड़ी एवं लकड़ी के उत्पाद शामिल हैं। भारत ने 2014-15 में संयुक्त अरब अमीरात से 16 एम एम टी कच्चे तेल का आयात भी किया।

पिछले 5 वर्षों के लिए भारत - संयुक्त अरब अमीरात द्विपक्षीय व्यापार

(मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में)

मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में

क्र. सं.	वर्ष	*2010-11*	*2011-12*	*2012-13*	*2013-14*	*2014-2015*
1	निर्यात	*33,822.39*	*35,925.52*	*36,316.65*	*30,520.42*	*33,034.10*
2	वृद्धि का प्रतिशत	*41.1*	*6.22*	*1.09*	*-15.96*	*8.24*
3	आयात	*32,753.16*	*36,756.32*	*39,138.36*	*29,019.82*	*26,008.43*
4	वृद्धि का प्रतिशत	*67.97*	*12.22*	*6.48*	*-25.85*	*-10.38*
5	कुल व्यापार	*66,575.55*	*72,681.84*	*75,455.01*	*59,540.24*	*59,042.53*
6	वृद्धि का प्रतिशत	*53.15*	*9.17*	*3.82*	*-21*	*-0.84*
7	व्यापार संतुलन	*1,069.22*	*-830.80*	*-2,821.71*	*1,500*	*7,025.67*

स्रोत *:* डी जी सी आई एस, कोलकाता

8. अनुमान है कि संयुक्त अरब अमीरात ने भारत में 8 बिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया है जिसमें से लगभग 13 मिलियन अमरीकी डालर (जून 2015) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के रूप में है, जबकि शेष निवेश पोर्टफोलियो निवेश के रूप में है। एफ डी आई के संदर्भ में, यू ए ई भारत में 11वां सबसे बड़ा निवेशक है। निवेश पर भारत - यू ए ई उच्च स्तरीय कार्यबल (एच एल टी एफ आई) की अब तक तीन बैठकें 18 फरवरी, 2013 को आबु धाबी में, मार्च 2014 में मुम्बई में और 13 अक्टूबर 2015 को आबु धाबी में हो चुकी हैं।

सांस्कृतिक संबंध :

9. दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंध रहे हैं और दोनों के बीच सरकारी एवं लोकप्रिय दोनों स्तरों पर नियमित सांस्कृतिक आदान - प्रदान किया जाता रहा है। भारत और यू ए ई ने 1975 में सांस्कृतिक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। आई सी सी आर ने 2009 में आबू धाबी में एक सांस्कृतिक केंद्र खोला था किंतु जून, 2014 में इसे बंद कर दिया गया। आबु धाबी में आई सी सी आर के सांस्कृतिक केन्द्र के बंद हो जाने के बाद भी दूतावास ने अपने दम पर और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित भारतीय संघों / सांस्कृतिक संगठनों के साथ मिलकर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करना जारी रखा। कुछेक आयोजित कार्यक्रम इस प्रकार हैं –पद्म श्री पं. सतीश व्यास का संतूर वादन (दिसंबर, 2014); कर्नाटक के कलाकारों का संगीत कार्यक्रम (दिसंबर 2014); असम बिहू ग्रुप द्वारा बिहू नृत्य (नवंबर – दिसंबर, 2014); राजदूत तलमीज अहमद की पुस्तकों का विमोचन/ बुक चैट (मई 2014); श्री वेणु राजमणि (जून, 2014) (दिसंबर, 2014) एवं राजदूज श्री टी पी श्रीनिवासन (दिसंबर, 2014); 'केरलग्रीन' पर आई सी आर की समसायिक पेंटिंग प्रदर्शनी सार्क देशों के कलाकारों द्वारा कार्यों का संकलन और भारतीय कलाकारों के समूह की प्रदर्शनी भी राजदूतावास आवास में सितंबर, 2014 में आयोजित की गई थी। मार्च 2015 में दूतावास के आडिटोरियम में सुश्री वर्षा अग्रवाल द्वारा आई सी सी आर प्रायोजित संतूर वादन का आयोजन किया गया। अप्रैल 2015 में दूतावास परिसर में डा. जी माधवन नायर के साथ एक विशेष अंत:क्रियात्मक सत्र का आयोजन किया गया। अप्रैल - मई 2015 में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित भांगडा एवं गिद्दा मंडली और कठपुतली मंडली ने संयुक्त अरब अमीरात में अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसके अलावा जुलाई

2015 में त्रिपुरा डिवाइन ग्रुप द्वारा एक भरतनाट्यम नृत्य का आयोजन किया गया। 2 अक्टूबर 2015 को गांधी जयंती के अवसर पर दूतावास के आडिटोरियम में गांधी साहित्य वेदी द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री ए.वी आयंगो और श्रीवी कल्याण जैसे प्रख्यात कलाकारों द्वारा 13 अक्टूबर 2015 को एक पुस्तक विमोचन और चित्रकारी प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

<u>भारतीय समुदाय</u> :

10. यू ए ई 2.6 मिलियन से अधिक भारतीय प्रवासी समुदाय का घर है – यू ए ई में यह प्रवासी समुदाय सबसे बड़ा समुदाय है। इस समुदाय में लगभग 15 और 20 प्रतिशत कार्मिक व्यावसायिक रूप से अर्हता प्राप्त हैं, जिसके बाद 20 प्रतिशत सफेद पोश गैर व्यावसायिक व्यक्ति हैं (लिपिकीय स्टाफ, दुकान सहायक, सेल्समैन, लेखाकार, आदि) और शेष 65 प्रतिशत लोग श्रमजीवी (ब्लू कालर वर्कर्स) हैं। यहां भारत से आए व्यापारिक समुदाय की संख्या काफी है। भारतीय समुदाय ने यू ए ई के आर्थिक विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है। यू ए ई में रहने वाले एक बड़े भारतीय समुदाय द्वारा 15 बिलियन अमेरीकी डॉलर से अधिक की राशि भेजी जाती है (अनुमानित)।

11. भारतीय श्रमजीवियों की बड़ी संख्या के कारण, यू ए ई में भारतीय कामगारों के लिए कुशल शिकायत निवारण तंत्र विकसित करने पर भी ध्यान दिया जाता है ताकि द्विपक्षी संबंध मजबूत हो। भारत और यू ए ई ने दिसंबर, 2006 में जनशक्ति सोर्सिंग के क्षेत्र में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और एक इलैक्ट्रानिक संविदा पंजीकरण एवं वैधीकरण प्रणाली के द्वारा भारतीय संविदागत कामगारों की भर्ती को युक्तिसंगत बनाने के लिए एक प्रोटोकोल पर 4 अप्रैल, 2012 को हस्ताक्षर किए गए थे। दुबई में 27 – 28 अक्टूबर, 2014 को एम ओ आई ए द्वारा एक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें खाड़ी के देशों में भारतीय कामगारों की स्थिति का जायजा लिया गया और उनकी स्थिति में और सुधार करने के लिए किए जाने वाले उपायों पर विचार किया गया। राजदूतावास ने यू ए ई में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ सीधा संपर्क बनाने के लिए भारत से विभिन्न राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों को लाने हेतु आबू धाबी में 13 सितंबर, 2014 को एक राजकीय सम्मेलन का आयोजन किया। दूतावास ने यू ए ई में भारतीय समुदाय के लाभार्थ 'भारतीयों के लिए मार्ग निर्देश' प्रकाशित किए हैं। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय निवासियों के लिए एक व्यापक आनलाइन वेब आधारित 'एन आर आई पंजीकरण प्रणाली' विकसित की गई है ताकि वे अपेक्षित व्यौरों को भर करके इस प्रणाली के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकें। भारतीय नर्सों सहित भारतीय मजदूरों की भर्ती के लिए 1 जून 2015 से ई माइग्रेट सिस्टम नामक एक आनलाइन वेव आधारित पोर्टल स्थापित किया गया है।

12. राजदूतावास के पास संकट ग्रस्त निराश्रित कामगारों / हाउसमेडों को अल्पावधि आर्थिक सहायता (भोजन, आश्रय, यात्रा खर्च आदि) प्रदान करने के लिए भारतीय समुदाय कल्याण निधि (आई सी डब्ल्यू एफ) भी है। 24 घंटे हैल्पलाइन सहित इंडियन वर्कर्स रिसोर्स सैंटर (आई डब्ल्यू आर सी) दुबई में नवम्बर, 2010 से कार्यरत है। दूतावास तथा कांसुलेट एवं खुले गृह के अधिकारियों द्वारा भारतीय समुदाय के सदस्यों के लिए दूतावास एवं कांसुलेट में सप्ताह के प्रत्येक कार्य दिवस को आयोजित जेलों एवं श्रमिक शिविरों की नियमित यात्राएं भारतीय समुदाय के साथ दूतावास एवं कांसुलेट के बीच नियमित संचार का सुनिश्चय करने के लिए कुछ अन्य तंत्र हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय राजदूतावास, आबूधाबी वैबसाई:
http://www.indembassyuae.org
भारतीय दूतावास, आबूधाबी का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndianEmbassy.Abudhabi
भारतीय दूतावास, आबूधाबी का ट्विटर एकाउन्ट :
https://twitter.com/IndembAbuDhabi

****

जनवरी, 2016